

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

(10)

सेवा में,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद,
देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 03 मार्च, 2011

विषय:-चारधाम यात्रा मार्गों एवं अन्य स्थलों पर सुलभ शौचालयों के निर्माण हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-45/2-7-27/यात्रा व्यवस्था/2010-11, दिनांक 07 मई, 2010 तथा पत्र संख्या-531/2-6-664/2010-11, दिनांक 14 फरवरी, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चारधाम यात्रा मार्गों के 13 स्थलों पर सुलभ शौचालयों के अधिष्ठापन हेतु उपलब्ध कराये गये ₹ 252.35 लाख के प्राक्कलन पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गयी धनराशि ₹ 237.26 लाख (₹ दो करोड़ सैंतीस लाख छब्बीस हजार मात्र) पर राज्य सैक्टर के अन्तर्गत चारधाम यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं की मद में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही ₹ 150.00 लाख (₹ एक करोड़ पचास लाख मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियंता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरे शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, कि स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियंता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- (ii) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (iv) एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाय।
- (v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (vi) कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाय तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप ही कार्य कराया जाय।
- (vii) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री की परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।



(viii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047 / XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

(ix) कार्य सम्पादन एवं व्यय करते समय Uttarakhand Procurement Rules, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

(x) भविष्य में यदि प्राक्कलन का पुनरीक्षण किया जा रहा है तो अतिरिक्त पुनरीक्षित लागत पर कोई सेन्टेज देय नहीं होगा।

(xi) कार्य कराने से पूर्व विभाग द्वारा कार्यदायी संस्था के साथ एम0ओ0यू0 गठित कर लिया जाये जिसमें defect liability clause का प्राविधान भी सुनिश्चित कर लिया जाए।

(xii) अवमुक्त की जा रही धनराशि का उपभोग दिनांक 31 मार्च, 2011 तक सुनिश्चित कर लिया जाय, अन्यथा उसके पश्चात अप्रयुक्त धनराशि शासन को समर्पित कर दी जाय।

2. उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संवर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सैक्टर-52-चारधाम यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं का निर्माण/विकास-24-वृहत्त निर्माण कार्य के मानक मद के नामे डाला जायेगा।

3. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0सं0-101/XVII(2)/2011, दिनांक 01 मार्च, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(राकेश शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 436 / VI(1)/2011-02(01)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- निजी सचिव-मा0 पर्यटन मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 5- जिलाधिकारी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, पौड़ी।
- 6- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- वित्त अनुभाग-2. उत्तराखण्ड शासन।
- 9- अध्यक्ष, सुलभ इन्टरनेशनल, देहरादून।
- 10- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 11- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)
अनुसचिव।